अध्याय – 14:

गतिमे सामञ्जस्य

भारतमे पारम्परिक नृत्यक समृद्ध टेपेस्ट्री अछि, जे देशक विविध सांस्कृतिक विरासतमे गहींर रूपसँ निहित अछि। ई नृत्य मात्र आन्दोलनक अभिव्यक्ति नहि अछि, अपितु कथा, भावना आ आध्यात्मिकता सेहो व्यक्त करैत अछि।

एकटा पारम्परिक नृत्य शास्त्रीय नृत्य वा लोक नृत्य भऽ सकैत अछि। हमर संस्कृतिमे नृत्यक विविधता अलग-अलग सुगंध पसरैत अछि जे प्रकृतिमे अद्वितीय अछि।

हमरा लग अनेक वाद्ययन्त्र, गुण, वेशभूषा, भाषा आ सांस्कृतिक मान्यता अछि जे लोकक कतेको समूह द्वारा प्रस्तुत कएल जाइत अछि। एहन पारम्परिक नृत्य हमर राष्ट्रक उत्थान करैत अछि आ सामाजिक आ नैतिक अखण्डताकेँ सुदृढ़ करैत अछि।

आब ई अहाँक दायित्व अछि जे अपन नृत्यक समृद्ध सांस्कृतिक धरोहरक संरक्षण करू।

0680CH14

गतिविधि-1: अहाँक पारम्परिक नृत्य

अपन क्षेत्रक कोनो पारम्परिक नृत्य आ ओहिसँ सम्बन्धित गीत चुनू।

अपन क्षेत्र मे प्रयुक्त वाद्ययन्त्रक सङ्ग ताल मे नृत्य करू।

बिहू

© NCERT not to be republished

गुजरातक सिदी धमाल नृत्य

उदाहरण 1: असमक बिहूमे ढोल नामक वाद्ययन्त्र आ महींसक सीङ्गसँ बनल एकटा अद्वितीय पवन वाद्यक उपयोग कएल जाइत अछि जकरा पेपा कहल जाइत अछि।

उदाहरण 2: सिदी धमाल नृत्य गुजरातक अछि। ई प्रस्तुतिक क्रममे वाद्ययन्त्रक रूपमे पैघ ढोलक उपयोग करैत अछि।

की अहाँ प्रदर्शन करबाक लेल तैयार छी? बस एक क्षणक लेल प्रतीक्षा करू। की अहाँ चर्चा केलहुँ जे अहाँ अपन नृत्य मे कोन रङ्गमञ्च सामग्रीक (जँ कोनो बर्तन, लाठी, अङ्गूठी जकाँ...) के प्रयोग करब?

की अहाँकेँ कोनो विशेष नृत्यमे प्रयुक्त वेशभूषाक कोनो अनुमान अछि जे अहाँ प्रदर्शन करय जा रहल छी?

भारतक सभ नृत्य हमरसभक सांस्कृतिक विरासतमे निहित अछि। नृत्यमे मात्र गति, लय, सङ्गीत नहि होइत अछि अपितु वेशभूषा, प्रौप, श्रृङ्गार आ मञ्चक स्थिति सेहो सम्मिलित अछि।

गतिविधि 2: नृत्य जेवर आ रङ्गमञ्चक सामग्री बनाएब

नृत्यक लेल आवश्यक वेशभूषाक विषयमे अपन-अपन समूहसँ चर्चा करू। गत्ता, रङ्गीन कागज, सजावटी रिबन आदिक उपयोग करैत एकरा स्वयं बनयबाक प्रयास करू।

उदाहरण: नृत्यक गहना जेना हार, माथक पोशाक, हनुमानक चेहरा मुखौटा आ रानीक मुकुट

झुमका

हार

सिरक पहिरन

घुङ्घरू

© NCERT not to be republished

गतिविधि-3 : अपना रुचिक गहना आ रङ्गमञ्च सामग्रीक रेखा चित्र बनाऊ

© NCERT not to be republished

कागज, गत्ता, कपड़ा आदिक उपयोग कऽ ओकरा बनयबाक प्रयास करू।

जालक साथ नाचि रहल अछि

सङ्गीतकार एकटा प्रोग्रामक लेल बैसल छथि

गतिविधि-4: प्रस्तुति केर स्थानक ज्ञान

कक्षा मे निम्नलिखित पर चर्चा करू:

- प्रदर्शनकेँ विचलित कयने बिना आवश्यक प्रौपकेँ मञ्च पर रखनाइ।
- एहन वेशभूषा डिजाइन केनाइ जे नृत्य करबाक लेल सहज अनुभव करैत अछि (हाथ-पैर उठाएब, कूदब, पलटनाइ आदि)।
- मञ्च सँ प्रवेश आ निकास दुनू कात सँ। (रङ्गमञ्च अनुभाग मे मञ्च संरचना के सन्दर्भ लिअ)

अलग-अलग नृत्य रूपमे अलग-अलग रङ्गमञ्च के सामग्री आ मञ्च सजावट होइत अछि। आशा अछि जे नृत्यक प्रत्येक तत्व सबके लेल स्पष्ट होयत।

एखन धरि अहाँ छोट-छोट समूह मे काज कए चुकल छी। आगू बढ़ैत अहाँ एकटा सामूहिक समूहक रूपमे काज करब जाहिमे वर्गक सभ सदस्य शामिल होयत।

आब, अहाँ एकटा नब चीजक अन्वेषण करए जा रहल छी!

नृत्य नाटक (नाट्य)

हमसभ मात्र 'नृत्य' शब्दसँ नहि अपितु 'नाटक' शब्दसँ सेहो अवगत छी।

जँ हम नृत्य आ नाटक दुनूकेँ एक सङ्ग जोड़ि देब तखन की ई काज करत?

नृत्य नाटक वा नाट्य रचनात्मक अभिव्यक्तिक एकटा रूप अछि जतए प्रतिभागी लोकनि नृत्यक उपयोग कोनो कथा कहबाक साधनक रूपमे करैत छथि अथवा चरण, देह आ हस्तमुद्राक उपयोग करैत सन्देश दैत छथि जे प्रायः गीत आ सङ्गीत पर लागू होइत अछि।

© NCERT not to be republished

नृत्य नाटकक लेल कलाकारक बीच समन्वय, अभिव्यक्ति आ सहयोगक आवश्यकता होइत छैक।

समन्वय

अभिव्यक्ति

कलाकारक बीच सहयोग

नृत्य नाटक गति आ अभिनयक कलाक माध्यमसँ एक सङ्ग एकटा कथा अनैत अछि। नृत्य नाटक विभिन्न विषय, संस्कृति वा ऐतिहासिक घटनासँ प्रेरित भऽ सकैत अछि, जे कलात्मक अन्वेषणक लेल एकटा समृद्ध आ विविध मञ्च प्रदान करैत अछि।

गतिविधि -5 : प्रकृतिक एकटा खिस्सा कैँ साझी करब

प्रकृति वा पर्यावरण, वा स्वतन्त्रता आन्दोलनसँ सम्बन्धित कोनो एहन कथाक खोज आ चर्चा करू जे समाजकैँ नैतिक मूल्य दैत हो।

उदाहरण

एकरासँ सम्बन्धित कहानी-

- प्लास्टिकक उपयोग सँ परहेज करू।
- जलाशयक बचत करू।
- मोबाइल फोनक अत्यधिक उपयोग।
- जैविक खेती।
- शिक्षा मे समानता।

नोट: अङ्ग्रेजी अथवा कोनो आन भाषाक पाठ्यपुस्तकसँ एकटा खिस्सा चुनू।

कक्षामे एकटा उपयुक्त कहानी चुनु आ साझा करू जकरा अहाँ अपन आसपासक स्थिति आ क्षेत्रसँ जोड़ि सकैत छी।

पटकथा एकटा लिखित दस्तावेज छैक जाहिमे संवाद, गीत, क्रिया, आ नृत्य नाटक, नाट्यक प्रदर्शन वा प्रस्तुतिक लेल निर्देशन होइत छैक। नृत्यमे संवाद बेसीतर हस्तमुद्राक माध्यमसँ होइत अछि यद्यपि शब्दक प्रयोग सेहो कएल जा सकैत अछि।

सोचू ...

चर्चा करू...

लिखू ...

कोनो चयनित कथा वा कविताक लेल एकटा पटकथा लिखबाक प्रयास करू आ नाट्य बनेबाक लेल एक दोसराक सङ्ग विचार साझा करू।

पटकथा लिखैत काल हस्तमुद्रा, पात्र, वेशभूषा, रङ्गमञ्च के सामग्री आ मञ्चक आवश्यकताक सङ्ग संवादक बारे मे सोचू ।

एहि गतिविधिमे अहाँ कथाक सभ पात्रकैँ जीवन दऽ रहल छी।

नाट्य प्रदर्शनक लेल हस्तमुद्रा, हाथ आ देहक गतिक अभ्यास करू।

लय, चरण, गति, हस्तमुद्रा, मुद्राक तत्वकैँ कविता आ अभ्यासमे सङ्कलित करू।

सङ्गहि, बोल वा कोलुकेटस (जेना, था का धी मी) आ सरगम (प्रायः सङ्गीत कक्षामे सीखल जाइत अछि)क उपयोग करैत लयबद्ध प्रतिरूपक सङ्ग नृत्यक पहिचान करू जे नाट्यमे सम्मिलित कएल जाइत अछि।

चेहराक भावक अभ्यास करू जे नाट्यमे एकटा प्रमुख तत्व अछि। अपन नाट्यक व्यवस्थित परिणामक लेल अहाँ सभकैँ सहयोगी रूपसँ काज करय पड़त।

© NCERT not to be republished

क्रिया कलाप-6 : नाट्य शास्त्र आ प्रदर्शन नाट्य

एक सङ्ग आउ आ एकटा नाट्यक निर्देशन करू जाहिमे संवाद, लयबद्ध सङ्गीत, नृत्य ताल आ गतिविधि सम्मिलित अछि आ एतय एकटा टीमक रूपमे काज करू।

कोरियोग्राफीक एहि चरणमे हमरासभक प्रौप, वेशभूषा, गहना, मञ्च सजावट आदि पर ध्यान देबाक आवश्यकता अछि।

प्रदर्शन करैत काल पहिने सँ रङ्गमञ्च के सामग्रीक सङ्ग अभ्यास करू जाहि सँ अहाँ ओकरा आराम सँ सम्हारि सकी ।

एक बेर कोरियोग्राफी पूरा भेलाक बाद अभ्यास करबाक समय आबि गेल अछि।

अभ्यास! अभ्यास! अभ्यास!

सफलताक मुख्य तत्व अभ्यास अछि...

नाट्यक अभ्यासक बाद आब मञ्च पर अभ्यास करबाक समय आबि गेल अछि।

नीक केलहुँ!

अपन कक्षा या पैघ दर्शकक सामने अपन नाट्य प्रस्तुत करू।

© NCERT not to be republished